[This question paper contains 4 printed pages.]

3028 *Your Roll No.* .....

M.A./II **A**

POLITICAL SCIENCE

Course 13(d) – Critical Traditions in Political Theory

(Admissions of 2002 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **four** *questions in all.*
Question No. **1** *is compulsory.*
All *questions carry equal marks.*

कुल **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
प्रश्न संख्या **1** *अनिवार्य है।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. What do you understand by critique? Discuss with reference to the ideas of Adorno, Mao and Foucault.

P.T.O.

मीमांसा से आप क्या समझते हैं ? अडोर्नो, माओ और फूकाल्ट के विचारों के संदर्भ में विवेचन कीजिए ।

2. Feminist critics of science have argued that modern science is not "universal" but evolved out of a conceptual structuring of the world that incorporated particular and historically specific ideologies of gender. Write an essay outlining the main lines of argument in this field.

नारीअधिकारवादियों का तर्क रहा है कि आधुनिक विज्ञान 'सर्वजनीन' नहीं है बल्कि यह लिंग की विशेष तथा ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट विचारधाराओं को समाविष्ट करने वाली विश्व की संकल्पनात्मक संरचना में विकसित हुआ है । इस क्षेत्र में तर्क के प्रमुख पक्षों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक निबंध लिखिए ।

3 What are the main lines of difference between essentialist and anti-essentialist developments of the sex/gender distinction ?

सेक्स/लिंग सुभिन्नता के अस्तित्ववादी तथा प्रति-अस्तित्वादी घटनाक्रमों के बीच भिन्नता के मुख्य बिंदु क्या हैं ?

4 Discuss the theoretical contribution of Dalit Bahujan thought to the rethinking of nationalism and modernity.

राष्ट्रवाद और आधुनिकता के पुनर्चिंतन पर दलित बहुजन विचारधारा के सैद्धांतिक योगदान का विवेचन कीजिए ।

5. Critical race theory raises questions not only about racism, but about race as an organizing principle in human relations. Write an essay explaining this statement.

क्रांतिक प्रजाति सिद्धांत न केवल प्रजातिवाद के बारे में बल्कि मानव संबंधों में एक सगठन-सिद्धांत के रूप में प्रजाति के बारे में भी प्रश्न उठाता है। इस कथन को स्पष्ट करते हुए एक निबंध लिखिए।

6. In what ways do environmental politics crucially depend on drawing a dialectical relationship between humans and nature? Discuss.

पर्यावरणी नीतियाँ किन रूपों में मानवजाति और प्रकृति के बीच द्वंद्वात्मक संबंध के आरेखण पर निर्णायक रूप से निर्भर हैं? विवेचन कीजिए।

7. Write short notes on any **two** of the following :

(a) Cornel West's argument that "The initial structure of modern discourse in the west 'secretes' the idea of white supremacy"

(b) Sandra Harding on "standpoint theory"

(c) Raj Gowthaman on "dalit subnational culture"

(d) Judith Butler on the "heterosexual matrix".

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) कॉर्नेल वैस्ट का तर्क कि "पश्चिम में आधुनिक विमर्श की प्रारंभिक संरचना श्वेत वर्चस्व की धारणा का गोपन करती है"

(ख) 'दृष्टिकोण सिद्धांत' पर सान्ड्रा हार्डिंग के विचार

(ग) 'ललित उपराष्ट्रीय संस्कृति' पर राज गोवाथमन के विचार

(घ) 'विलिंगकामी मैट्रिक्स' पर जूडिथ बटलर के विचार

8. Discuss the key premises of post-Marxist thinking. Show with examples how post-Marxism provides the theoretical basis for different social movements.

उत्तर-मार्क्सवादी चिंतन की प्रमुख आधारिकाओं का विवेचन कीजिए। उदाहरण देते हुए सिद्ध कीजिए कि उत्तर-मार्क्सवाद किस प्रकार विभिन्न सामाजिक आंदोलनों के लिए सैद्धांतिक आधार प्रदान करता है।